



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 444 राँची, गुरुवार
4 आषाढ, 1937 (श०)
25 जून, 2015 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग

संकल्प

15 जून, 2015

कृपया पढें:-

1. उपायुक्त, गोड्डा का पत्रांक- 446/जि०आ०, दिनांक 31 मार्च, 2011
2. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड का पत्रांक- 3479 दिनांक 24 जून, 2011
3. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड का संकल्प सं०- 4575 दिनांक 05 अगस्त, 2011 एवं संकल्प सं०- 8360 दिनांक 24 दिसम्बर, 2011
4. श्री अशोक कुमार सिन्हा, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखंड, टाउन एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग, एच०ई०सी०, गोलचक्कर, धुर्वा, राँची-सह-संचालन पदाधिकारी का जाँच प्रतिवेदन पत्रांक- 97 दिनांक 12 मार्च, 2012
5. राज्यपाल सचिवालय, झारखण्ड के पत्रांक-2037, दिनांक 14 अक्टूबर, 2014

संख्या-5/आरोप-1-528/2014 का.-5335-- श्री रामचन्द्र पासवान, झा0प्र0से0 (कोटि क्रमांक- 497/03, गृह जिला- मुंगेर), तत्कालीन अनुमण्डल पदाधिकारी, गोड्डा के विरुद्ध उपायुक्त, गोड्डा के पत्रांक- 446/जि0आ0, दिनांक 31 मार्च, 2011 द्वारा प्रपत्र-‘क’ में आरोप प्राप्त है। इनके विरुद्ध अनुमण्डल पदाधिकारी, गोड्डा के पद पर कार्यावधि में जनवितरण प्रणाली के दुकानों से लक्षित वर्ग के लाभान्वितों को अति अनुदानित दर पर मिलने वाली किरासन तेल एवं खाद्यान्न की कालाबजारी कराने में डीलरों का सहायोग करने, आदेश की अवहेलना करने, अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता तथा अनियमितता बरतने तथा सरकारी राशि का दुरुपयोग करने का आरोप प्रतिवेदित है ।

उक्त आरोपों के लिए श्री पासवान से विभागीय पत्रांक- 3479 दिनांक 24 जून, 2011 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गई, परन्तु इनसे स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ। इसलिए इन आरोपों के लिए असेैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के नियम, 55 के अन्तर्गत इनके विरुद्ध विभागीय संकल्प सं0- 4575 दिनांक 05 अगस्त, 2011 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया है। विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु श्री संतोष कुमार, भा0प्र0से0, प्रमण्डलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। तत्पश्चात् विभागीय संकल्प सं0- 8360 दिनांक 24 दिसम्बर, 2011 द्वारा श्री संतोष कुमार, भा0प्र0से0, प्रमण्डलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका के स्थान पर श्री अशोक कुमार सिन्हा, सेवानिवृत्त भा0प्र0से0, विभागीय जांच पदाधिकारी, झारखंड, टाउन एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग, एच0ई0सी0, गोलचक्कर, धुर्वा, रांची को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया ।

श्री अशोक कुमार सिन्हा, सेवानिवृत्त भा0प्र0से0, विभागीय जांच पदाधिकारी, झारखंड, टाउन एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग, एच0ई0सी0, गोलचक्कर, धुर्वा, रांची-सह-संचालन पदाधिकारी द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित कर जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-97 दिनांक 12 मार्च, 2012 द्वारा समर्पित किया गया है। जाँच प्रतिवेदन में श्री पासवान के विरुद्ध लगाए गए आरोप सं0-4, 5, 6, 7 एवं 8 प्रमाणित पाये गए हैं, जिसके अनुसार इनके द्वारा जन वितरण प्रणाली के कुछ निलंबित अनुज्ञप्ति धारियों के निलम्बन को बहाल करने में प्रक्रिया का अनुपालन नहीं करते हुए विशेष तत्परता दिखाई गई है ।

श्री रामचन्द्र पासवान, झा0प्र0से0 के विरुद्ध लगाए गए आरोप, इनके द्वारा समर्पित बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री पासवान को दोषी मानते हुए इन्हें निन्दन एवं दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोक का दण्ड दिया गया ।

राज्यपाल सचिवालय, झारखण्ड के पत्रांक-2037, दिनांक 14 अक्टूबर, 2014 के माध्यम से श्री पासवान का अपील अभ्यावेदन विभाग को प्राप्त हुआ, जिसमें श्री पासवान द्वारा दायर अपील आवेदन में विभागीय जाँच में त्रुटि, दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये जाने एवं नैसर्गिक न्याय के उल्लंघन की बात की गयी है। उल्लेखनीय है कि लघु दण्ड के मामले में विभागीय जाँच की अनिवार्यता नहीं है। इस प्रकार श्री पासवान के अपील आवेदन में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जो उनके आचारण को संदेह से परे स्थापित करता हो। अतः श्री पासवान के अपील आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

प्रमोद कुमार तिवारी,

सरकार के उप सचिव ।
